

216

-1-

न्यायालय श्रीमान राजस्व मंखल ग्वालियर (म०प्र०)

रा० पुन० क्र०

R-2362-1114

दिवेश पिता नंदकिशोर साह उम्र लगभग

20 वर्षा निवासी हमलीखेड़ा जोड़ सड़क

वैमास हमलीखेड़ा तह० मोखेड़ा जिला हिन्दवाड़ा ----- याचिकाकर्ता

विरुद्ध

1- श्रीमति सुशीला बाई पति सम्मत साह

उम्र 54 साल निवासी राजेगांव तहसील मोखेड़ा

जिला हिन्दवाड़ा

2- श्रीमति सरोज बाई पति ज्ञानचन्द साह

उम्र लगभग 42 साल निवासी पिशवा तहसील

चौरई जिला हिन्दवाड़ा

3- श्रीमति सुनीता बाई पति गौरीशंकर

साह उम्र 40 साल निवासी बटका रोड

हरई तहसील अमरवाड़ा जिला हिन्दवाड़ा

4- श्रीमति सुनीता बाई पिता राजेन्द्र साह

उम्र 35 साल निवासी दीपाचीपुरा हिन्दवाड़ा ----- प्रत्यर्थागिण

पुनरीक्षा याचिका अन्वित धारा 50 म०प्र० मू०रा०संहिता 1959

याचिकाकर्ता न्यायालय श्री अनुविभागीय अधिकारी हिन्दवाड़ा

-2

श्री. सुनलके.पी.एल.
अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत
प्रस्तुतकार... शी.डर
15 JUL 2014
अधीक्षक
कार्यालय कमिश्नर, जयलपुर संभाग

374

दिनांक 12-7-14
श्री. सुनलके.पी.एल.
याचिका

12-7-14

याचिका

24-7

1112

1112

(2)

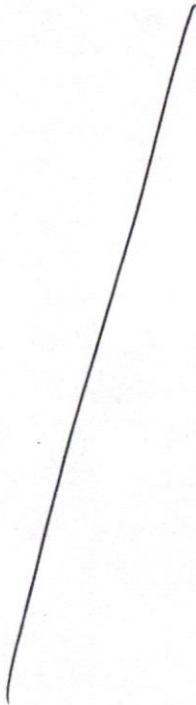
द्वारा रट0 अपील क्रमांक 1401अ-6113-14 पदाकार सुशीला
बाई एवं अन्य विरुद्ध दिवेश एवं अन्य पंधारा 5 मियाद
अधिनियम आवेदन पत्र पर पारित अंतरिम आदेश दिनांक
3-6-2014 से परिषेदित होकर निम्नलिखित तथ्यों एवं
विधि आधारों पर यह पुनरीक्षा याचिका प्रस्तुत करते हैं :-

विचारणा अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष विचारणा प्रकरण के संदिग्ध तथ्य

यहकि प्रत्यर्थी। अपीलार्थी गणी द्वारा अधीनस्थ अपीलिय
न्यायालय के समक्ष विचारणा न्यायालय तहसीलदार मोहोदया शिला
हिन्दवाड़ा द्वारा नामान्तरण प्रकरण 681अ-6112-13 में याचिका
कर्ता के पदा में पारित नामान्तरण आदेश दिनांक 29-4-13 से अर्शुष्ट
होकर प्रत्यर्थीगण ने प्रथम अपील प्रस्तुत कीथी तथा प्रस्तुत हके अपील के
साथ धारा 5 मियाद अधिनियम का आवेदन हस आशय का प्रस्तुत किया
था कि याचिकाकर्ता के दादा बाबू लाल ने अपने हिस्से में प्राप्त मृमि
खनं0 65।3 रब्बा 1.015 हे0 की रजि0 वसीयत नामा याचिकाकर्ता के
पदा में निष्पादित कीथी जिसके आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा वसीयत
में प्राप्त मृमि पर अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया था ।

यहकि विचारणा तहसीलदार द्वारा नामान्तरण नियमों तथा
विधि प्रक्रिया का पालन करते हुये वसीयतनामा को प्रमाणित मानते हुये
दिनांक 29-4-13 को याचिका कानाम आवेदित मृमि पर दर्ज करने के
आदेश पारित किया गयाथा जिस पर प्रत्यर्थी गणी की आपत्ति थी
कि प्रत्यर्थी गण मृतक पिता की वैध वारसान पुत्रियां थी जिसकी जानकारी

R/11



24-11-16

आवेदक की को ले सूचना
 उपर्युक्त को उपाधिक नली। समक
 समक न। तीन का पुका। कागद
 रक। को उपाधिक नली। आवेदक
 को अनुपाधिक के कारण प्रकटा
 अरुम पैरी में खासि विपस मता की


 स.स.स.

R/s